GREENLAWNS HIGH SCHOOL
PRELIMINARY EXAMINATION YEAR – 2016-17

SUBJECT	: HINDI	CLASS	: X
TIME	: 3 HRS.	MARKS	: 80

This paper consists of two sections – section A and B.
Attempt all the questions from section A.
Attempt any four questions from section B. Answering at least one question each from two books you have studied and any two others questions.

Section A (40 Marks)
Attempt all questions

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग २५० शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए: (१५)

१) 'दूरदर्शन केवल मनोरंजन का साधन ही नहीं अपितु ज्ञान वृद्धि का माध्यम तथा जन-जागरण का साधन भी है। परन्तु नए चैनलों के आने के बाद इससे सांस्कृतिक प्रदूषण भी फैल रहा है। पक्ष एवं विपक्ष में अपने विचार प्रकट कीजिए।

२) 'हिंदू-मुस्लिम-सिख-ईसाई आपस में हैं भाई- भाई' आज यह पंक्ति अपना अर्थ खोती जा रही है। जाति और धर्म के नाम पर झगड़े बढ़ रहे हैं। समाज में सांप्रदायिकता के फैलते जहर के कारणों और निवारण के उपायों पर अपने विचार लिखिए।

३) वनस्पतियाँ या पेड़-पौधे मनुष्य के लिए किस प्रकार प्राणदायिनी होते हैं, इनसे हमें क्या-क्या मिलता है, ये हमारे किस काम आते हैं ? ये हमारे जीवन में अहम भूमिका निभाते हैं। इस पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

४) 'दो बुराइयाँ मिलकर कभी अच्छाई नहीं बन सकती' कहावत के आधार पर एक मौलिक कहानी लिखिए।

५) नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को अधार बनाकर वर्णन कीजिए, अथवा कहानी लिखिए जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

...2/-

प्रश्न २. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग १२० शब्दों में पत्र लिखिए। (७)

१) भ्रामक विज्ञापनों के विरुद्ध प्रशासन द्वारा कार्यवाही करने का आग्रह करते हुए किसी समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए।

अथवा

अपनी माँ को पत्र लिखिए और उन्हे सूचित कीजिए कि आपको दूरदर्शन के एक धारावाहिक नाटक में काम करने के लिए चुना गया है। नाटक में तुम्हारा क्या स्थान है ? अपनी उत्तेजना और योजना का वर्णन कीजिए।

प्रश्न ३. नीचे लिखे गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर यथासंभव अपने शब्दों में दीजिए।

कालिदास के विद्वान और कवि बनने की कथा बड़ी रोचक है। कहा जाता है कि उस समय शारदानन्द नाम के एक राजा राज्य करते थे। उनकी एक अत्यंत रुपवती, गुणवती और विदुषी कन्या थी। उसका नाम विद्योत्तमा था। विद्योत्तमा के रुप, गुण और ज्ञान की चर्चा दूर-दूर तक फैल गई थी।

विद्योत्तमा को अपनी विद्या पर बड़ा गर्व था। उसने यह घोषणा की थी कि जो मुझे शास्त्रार्थ में पराजित कर देगा, उसी के साथ मैं अपना विवाह करुँगी। अतः देश-देश के पंडित शास्त्रार्थ करने के लिए आने लगे। परन्तु जो आता पराजित और लज्जित होकर वापस लौट जाता। पंडितों को इस पर बड़ी ग्लानि हुई और वे बदला लेने का उपाय सोचने लगे। उन्होंने निश्चय किया कि विद्योत्तमा का विवाह किसी मूर्ख से करा दिया जाया जिससे वह जीवन भर पछताती रहे। इस उद्देश्य से वे एक मूर्ख की खोज में निकल पड़े।

एक दिन उन्होंने देखा कि एक युवक पेड़ की जिस डाल पर बैठा है उसी को काट रहा है। उन्होंने सोचा-इससे बड़ा मूर्ख कौन होगा ? उसे बड़े आदर के साथ नीचे बुलाकर बोले. ''हमारे साथ चलो तो तुम्हारा विवाह एक सुन्दर राजकुमारी के साथ करा दें। लेकिन एक बात याद रखना, मुँह मत खोलना।''

युवक बड़ा प्रसन्न हुआ और उसने पंडितों की बात मान ली। पंडितों ने उसे सुन्दर वस्त्र पहनाये और विद्योत्तमा के पास शास्त्रार्थ के लिए ले गये। वहाँ पहुँचकर उन्होंने राजकुमारी से कहा, ''ये हमारे गुरु हैं, विद्या और बुध्दि में बृहस्पति के समान हैं तथा आपके साथ शास्त्रार्थ करने आये हैं। परन्तु आजकल मौन-व्रत धारण किए हुए हैं, इसलिए जो कुछ शास्त्रार्थ करना हो संकेतों से ही करें''।

शास्त्रार्थ आरम्भ हुआ । विद्योत्तमा ने एक ऊँगली उठाई। मूर्ख ने समझा कि यह मेरी एक आँख फोड़ना चाहती है। उसने उसकी दोनों आँखे फोड़ने का संकेत करते हुए दो उँगलियाँ उठाई। अब विद्योत्तमा ने अपनी पाँचों ऊँगलियाँ उठायी। मूर्ख ने समझा, यह मेरे मुँह पर थप्पड़ मारने का संकेत कर रही है। उसने मुठ्ठी बाँधकर बताया कि मैं थप्पड़ का जवाब घूँसे से दूँगा। पंडितो ने उसके दोनों संकेतों का अर्थ विद्योत्तमा को इस प्रकार समझाया, ''आपने एक उँगली दिखाकर यह कहा कि ईश्वर एक है, गुरु जी ने दो उँगलियाँ दिखाकर यह स्पष्ट किया कि सृष्टि में ईश्वर और जीव दो हैं ? आपने पाँच उँगलियों में से पाँच तत्वों (अग्नि, जल, वायु, पृथ्वी, आकाश) का संकेत किया। गुरुजी ने बताया कि पाँच तत्वों के मिलने से ही सृष्टि बनती है, अलग-अलग रहने से नहीं।''

विद्योत्तमा ने अपनी हार स्वीकार कर ली, दोनों का विवाह हो गया। एक दिन की बात है कि एक ऊँट का बलबलाना सुनकर युवक अकस्मात् बोल उठा- 'उट्र-उट्र'। उष्ट्र को 'उट्र' बोलते देख विद्योत्तमा को पता लगा कि उसका पति तो बड़ा मूर्ख है। उसको बहुत दुख हुआ और क्रोध भी आया। उसने उसे राजमहल से बाहर निकाल दिया। अपनी पत्नी से अपमानित होकर वह सीधे काली मन्दिर में गया और उनकी आराधना करने लगा। काली का आशीर्वाद प्राप्त करके उसने विद्याध्ययन आरम्भ किया और अपना नाम कालिदास रख लिया। कठोर परिश्रम और अटूट लगन से कुछ ही समय में कालिदास संस्कृत के बड़े विद्वान हो गये और उनकी कीर्ति देश-देशान्तर में फैल गई।

१)विद्योत्तमा कौन थी और उसकी प्रसिध्दि का क्या कारण था? (२)

२) उसने क्या घोषणा की थी ? उसकी घोषणा से उसके चरित्र पर क्या प्रकाश पड़ता है? (२)

३) विद्वानों की ग्लानि का क्या कारण था? उन्होंने अपने अपमान का बदला लेने का क्या उपाय सोचा? (२)

४) क्या पंडित अपनी योजना में सफल हुए?यदि हाँ तो कैसे? (२)

५) पत्नी द्वारा अपमानित होने पर युवक ने क्या किया और उसका क्या परिणाम निकला? (२)

प्रश्न ४. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए:-

(१) निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए: (१)

चार , पृथ्वी

२) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए:- (१)

कर्म , त्वचा

३) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए: (१)
रुपवान, यथार्थ, पालक, श्रव्य

४) निम्नलिखित मुहावरों से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाइए- (१)
कापूर होना, तिल धरने की जगह न होना

५) भाववाचक संज्ञा बनाइए- (१)
पारिवारिक , सुजन

६) कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए– (३)

१) संसार में कुछ असाध्य नहीं है। ('नहीं' हटाइए परन्तु वाक्य का अर्थ न बदले।)

२) यह कहानी किसी लेख की नकल है। (रेखांकित शब्द के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग कीजिए)

३) एक शबरी नाम की भीलनी थी। जिसने राम को जूठे बेर खिलाए थे। (सरल वाक्य बनाइए)

Section B –(40 Marks)

किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए। प्रत्येक पुस्तक में से एक प्रश्न चुनना अनिवार्य है।

साहित्य सागर (कहानियाँ) (४०)

प्रश्न ५. यह एक भेड़िये की कथा नहीं, यह सब भेड़ियों की कथा है। सब जगह इस प्रकार प्रचार हो गया कि भेड़िये से बड़ा कोई उनका हितचिन्तक और हितरक्षक नहीं है।

१) 'यह सब भेड़ियों की कथा है' इस कथन में भेड़िये शब्द का तात्पर्य बताते हुए इस कथन का अर्थ स्पष्ट कीजिए। (२)

२) चुनाव में भेड़िये का प्रचारक कौन था तथा उसका प्रचार किस ढंग से किया गया? समझाकर लिखिए। (२)

३) भेड़िये के प्रचार में सियारों ने अपनी पूरी शक्ति लगाकर सफलता दिलाने का प्रयास किया, इसके पीछे छिपे कारण को स्पष्ट कीजिए। (३)

४) इस कहानी के माध्यम से लेखक पाठकों को क्या बताना चाहते हैं। समझाकर लिखिए। (३)

प्रश्न ६) कभी-कभी मुझे ऐसा मालुम होता कि यह दाँव बैठा कि मैं अपने आप पर विजयी हुआ और मैं सुखी होकर संतुष्ट होकर चैन से संसार के एक कोने में बैठ जाऊँगा, किंतु वह मृग मरीचिका थी,''

१) वक्ता कौन है? उसका चरित्र चित्रण अपने शब्दों में कीजिए। (२)

२) महत्त्वाकांक्षा ने वक्ता को किस प्रकार दौड़ाया? स्पष्ट कीजिए। (२)

३) 'मृग-मरीचिका' शब्द का प्रयोग यहाँ क्यों किया गया है? स्पष्ट करें। (३)

४) 'संदेह' कहानी के शीर्षक की सार्थकता अपने शब्दों में लिखिए। (३)

प्रश्न ७. आदमियों की दुनिया में बस यही उपहार उसके पास छोड़ा था।

१) लड़का कौन था? उसके पास कौन सा उपहार और किसने छोड़ा था? समझाकर लिखिए। (२)

२) वह क्यों मर गया? प्रकृति ने उसके लिए क्या प्रबन्ध किया? समझाकर लिखिए। (२)

३) इस कथन में 'आदमियों की दुनिया कहकर लेखक ने क्या व्यंग्य किया है, स्पष्ट कीजिए। (३)

४) प्रस्तुत कहानी का अंत अत्यन्त मार्मिक है। स्पष्ट कीजिए। (३)

पद्य विभाग

प्रश्न ८. निम्नलिखित पदयांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए:-

कलेजा माँ का, मैं सन्तान
करेगी दोषों पर अभिमान
मातृ-वेदी पर हुई पुकार
चढ़ा दो मुझको हे भगवान।।

१) कवयित्री ने खुद को किस माँ की संतान कहा है? संतान से माँ का कैसा सम्बन्ध रहता है? (२)

२) 'मातृ-वेदी पर हुई पुकार, चढा दो मुझको हे भगवान' - से क्या तात्पर्य हैं? (२)

३) कवयित्री बलिदान होने के लिए भी तैयार है? क्यों? (३)

४) इस पद्यांश में कवयित्री ने पाठकों को क्या संदेश दिया है? इस कविता को पढ़कर आपके मन में क्या विचार उत्पन्न होते हैं? (३)

प्रश्न. ९. चाट रहे जूठी पतल वे कभी सड़क पर खड़े हुए,
और झपट लेने को उनसे कुत्ते भी हैं अड़े हुए।
ठहरो, अहो मेरे हृदय में है अमृत, मैं सींच दूँगा
अभिमन्यु जैसे हो सकोगे तुम
तुम्हारे दुःख मैं अपने हृदय में खींच लूँगा।'

१) पत्तल किसे कहते हैं ? जूठी पत्तल चाटने के लिए कौन क्यों मजबूर हो जाता है ? समझाकर लिखिए। (२)
२) कुत्तों को झपटने का उल्लेख कवि ने क्यों किया हैं ?स्पष्ट कीजिए। (२)
३) अभिमन्यु कौन था ? भिक्षुक उसके समान किस प्रकार हो सकेगा ? उसमें कवि की भूमिका स्पष्ट कीजिए। (३)
४) भिक्षुक की दीन-हीन दशा की सच्चाई हमारे मर्म पर किस प्रकार चोट करती है ? समझाकर लिखिए। (३)

प्रश्न १०. बूढ़े पीपल ने आगे बढ़कर जुहार की
'बरस बाद सुधि लीन्ही'
बोली अकुलाई लता,ओट हो किवार की,
हरसाया ताल लाया पानी परात भर के।
मेघ आये बड़े बन ठन के सँवर के।

१) पीपल को बूढ़ा क्यों कहा गया है ? उसका ग्रामीण संस्कृति में क्या महत्त्व हैं ? (२)
२) मेघ की समानता किससे की गई है ? वे कहाँ कितने समय बाद आए हैं ? (२)
३) ताल किसका प्रतीक है ? उसकी प्रसन्नता का क्या कारण है ? समझाकर लिखिए। (३)
४) अर्थ लिखिए- (३)
जुहार, बरस, अकुलाई, सुधि लीन्हीं, ओट, हरषाया